No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

01335

दिसम्बर, 2016

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

*नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. दलित साहित्य के प्रयोजन एवं सरोकारों पर प्रकाश डालिए । *10*

2. किन सामाजिक एवं धार्मिक कारणों ने दलित साहित्य के उदय की पृष्ठभूमि तैयार की ? स्पष्ट कीजिए । *10*

3. दलित साहित्य की भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *10*

4. बौद्ध धम्म के वैचारिक आधारों ने दलित साहित्य को किस प्रकार प्रभावित किया है ? विश्लेषण कीजिए । *10*

5. मराठी दलित साहित्य के विकास में 'राजा ढाले' के योगदान की चर्चा कीजिए । *10*

6. स्वानुभूति तथा सहानुभूति के आधार पर दलित साहित्य तथा ग़ैर-दलित साहित्य के अंतर को स्पष्ट कीजिए । *10*

7. दलित साहित्य के सौन्दर्य-शास्त्र पर विचार कीजिए । *10*

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) दलित की परिभाषा

(ख) निराला की रचना 'चतुरी चमार'

(ग) नागार्जुन

(घ) महात्मा फुले

9. प्रेमचंद की कहानियों में अभिव्यक्त दलित यथार्थ पर प्रकाश डालिए । *10*

10. दलित मुक्ति के संदर्भ में महात्मा गाँधी और बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर के विचारों में क्या भिन्नता थी ? स्पष्ट कीजिए । *10*